आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
बकरी पालन

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	मंडोली
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	बलद्वाडा
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू बलद्वाडा और शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3-4
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	7
उत्पादन प्रक्रियाएं।	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन / बिक्री का विवरण	8-9
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
स्वोट अनालिसिस	9
संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	9-10
परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	10
आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक)	10
वित् आवश्यकता	11
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	12
निगरानी विधि	12
परियोजना की कुल लागत	12
अनुलग्नक	13-14

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

शिव शक्ति वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " शिव शक्ति " स्वयं सहायता समुह, बकरी पालन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत

है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बकरी पालन करने का फैसला किया। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, किरण माला फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर बलद्वारा परिक्षेत्र, श्री सतीश कुमार वन रक्षक, बाहनु बीट और कुलदीप चन्द, वनखंड अधिकारी, वन खंड बलद्वाडा शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

मंडोली वन ग्रामीण विकास समिति:-

मंडोली ग्रामीण वन विकास समिति मंडोली राजस्व मुहाल का हिस्सा है। यह हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के गोपालपुर ब्लॉक में स्थित है और 31°34'17 उत्तर अक्षांश- 76°45'03"पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। मंडोली ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में बलद्वाडा रेंज के बाह्णु बीट के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

ग्रामीण वन विकास समिति सुहागड़ा माता मंदिर के लिए प्रसिद्ध है और यह वार्ड पुराने समय में धान की फसल के लिए जाना जाता था।

परिवारों की संख्या	57
बीपीएल परिवार	14 =24.57%
कुल जनसंख्या	190
कुल मवेशी	57

स्वयं सहायता समुह का विवरण

शिव शक्ति स्वयं सहायता समुह का गठन फ़रवरी 2021 में मंडोली वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

शिव शक्ति स्वयं सहायता समुह महिला समूह (बारह महिला) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 12 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमति पुष्पा देवी w/o स्व श्री कृष्ण	सदस्य	सामान्य	61	8th	7876550488
2.	" कान्ता देवी w/o दीनानाथ	सदस्य	"	63	8th	9459044774
3.	" सुनीता देवी w/o विरेन्द्र सिंह	"	"	31	10+2	985766726
4.	" नरेश कुमारी w/o स्व धर्म सिंह	"	"	52	10th	9418375774
5.	" शकुन्तला देवी w/o रघुवीर सिंह	उप प्रधान	"	48	10th	9828723015
6.	" कश्मीरी देवी w/o कर्म सिंह	सदस्य	"	51	10th	9882391884
7.	" लता देवी w/o श्री बलवीर सिंह	"	"	41	10th	8580532815
8.	" मनोरमा देवी w/o रूप सिंह	"	"	35	BA	8278853731
9.	" चम्पा कुमारी w/o रणजीत सिंह	प्रधान	"	35	B.A	9882268671
10.	" रीना परमार w/o नरेन्द्र सिंह	सचिव	"	34	10+2	8628957686
11.	" उर्मिला देवी w/o अर्जुन सिंह	सदस्य	"	64	8th	9827872481
12.	" वीना देवी w/o श्री हरिराम	"	SC	40	10th	8219733091
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह मंडोली

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	शिव शक्ति
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	मंडोली
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	बलद्वाडा
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	सुकेत
गांव	::	मंडोली
खंड	::	गोपालपुर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	15
गठन की तिथि	::	फरवरी 2021
बैंक का नाम और विवरण	::	हि प्र राज्य सहकारी बैंक समिति बल्द्वाडा IFSC Code: HPSC0000302
बैंक खाता संख्या	::	30210115074
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.1200/-माह
कुल बचत	::	26856/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	50 किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	5 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	07 किमी जाहू, 03 किमी बलद्वाडा सुंदर नगर 50 किमी, मंडी 50 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	07 किमी जाहू, 03 किमी बलद्वाडा सुंदर नगर 50 किमी, मंडी 50 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	जाहू, बलद्वाडा सुंदर नगर, मंडी, मंडोली
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (स्थानीय पशु पालन विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	बकरी पालन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा कृषि से अपनी कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए बकरी पालन का व्यवसाय चुना जिससे समूह की आय के साथ साथ दूध की आवश्यकता भी पूरी होगी बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

स्थानीय पशु पालन विभाग तथा स्थानीय लोगों की बकरी पालना के बारे में जाईका परियोजना द्वारा जानकारी साँझा की जाएगी जिससे लोगों में सुरोही नस्ल को पालने के बारे में जागरूकता होगी। जो स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाएगी है।

समूह को शुरू में कुल 37 बकरियां दी जाएंगी, जिनमे एक बकरा होगा, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20 किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। पूरे समूह का पशुधन समूह की सम्पत्ति होगी तथा बिक्री के पश्चात् धन समूह के सदस्यों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्तुत किये गये पशुधन के अनुसार वितरित होगा । पशुधन की अकस्मात् या दुर्घटना की स्थिति में मृत पशु का समूह के निर्णय द्वारा निपटान किया जायेगा । समय समय पर समूह द्वारा बेचने योग्य पशुधन सम्बंधित सदस्य की सहमती से स्वयं व समूह द्वारा एकल एवं संयुक्त रूप में बेचा जायेगा ।इसी तरह समूह में बकरी दूध का निपटान भी समूह द्वारा मूल्यवर्धन करके (जैसे कि पैकेजिंग इत्यादि) किया जायेगा ।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र (6 मास)	::	मंडी जिले में बकरी पालन पुरे वर्ष की जाती है। समूह को शुरू में कुल 37 बकरियां दी जाएंगी, जिनमे एक बकरा होगा, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20 किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। अगले 6 मास के बाद पशुधन में वृद्धि प्रजनन द्वारा होगी जिसमे की सुरोही नस्ल की बकरियां आमतोर पर एक से दो बच्चे देती है । जिससे उस समूह में बकरियों की संख्या दो से अढ़ाई गुना बढ़ेगी। जिन्हें अगले तीन महीने में समूह द्वारा निपटान कियाजाएगा ताकि अगली बकरियों की पैदावार सुनिश्चित की जाए ।
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और पशुधन लाने एवं उनका रखरखाव आदि के लिए काम करेंगे। अगले 180-365 दिनों के लिए सभी व्यक्ति 1-2 घंटे घास कटाई, चराई एवं सफाई के लिए काम करेंगे । विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय पशु पालन विभाग एवं अन्य बाह्य संस्थान
अन्य का स्रोत साधन।	::	-उपरोक्त-

विपणन / बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	स्थानीय पशु व्यापारी एवं सुंदरनगर, त्रिफालघाट, मंडी, जाहू, मंडोली
इकाई से दूरी	::	07 किमी जाहू, 03 किमी बलद्वाडा सुंदर नगर 50 किमी, मंडी 50 किमी लगभग ।
बाजार में उत्पाद की मांग		बकरी मास की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	उपरोक्त सभी कस्बे में मांस बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	मास पूरे वर्ष उच्च मांग में रहता हैं। हालांकि, सर्दियों के दौरान इसकी मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार, बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है ।
क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी नागरिक / परिवार।

उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	
उत्पाद नारा	::	सुरोही बकरी

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण / आइटम	**:**	**विवरण**
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, और पहले से हि बकरी पालन करते है एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

संभावित खतरों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

संभावित जोखिम	**:**	**उपाय करने के लिए कम करने के लिए उन्हें।**
1. एक ही समय मे हानिकारक संक्रमण पुरे बकरी समूह को नस्ट कर सकता है 2. बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण एवं रखरखाव	: :	सबसे पहले बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण और उसकी साफ़ सफाई का ध्यान रखें । पशु रखने से पहले फॉर्मेलिन/फिनायल के घोल से कमरे में स्प्रे करें कमरे में प्रवेश कर रहा है। फिनायल का नियमित स्प्रे करें। पेट के कीड़ों की दवाई नियमित पिलायें

समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	कलह को मिटाने के लिए कारण को प्रारंभिक चरण में निपटाया जायेगा। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान अनावरण, समान लाभ का बंटवारा, हर सदस्य को आदर और सम्मान देने की आवश्यकता।
बाज़ार		बाजार हमेशा उपलब्ध है
उत्पादन	:	बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण।

परियोजना की लागत	संख्या	मूल्य	राशि रु में
पूंजी लागत			
बाँस के शैड/ऊँचे बैठने की जगह का निर्माण	12	2000	24000
9-12 महीने आयुवर्ग का बकरा	1	10000	10000
6-8 माह आयुवर्ग, वजन लगभग 10-12 किलोग्राम की बकरियां	36	7000	252000
ए कुल पूंजी लागत			**286000**
आवर्ती लागत			
संतुलित राशन, गेहूं का भूसा, हरा चारा एवं अन्य व्यय 22.5 क्विंटल X37 @ रुपये। 550/- प्रति क्विंटल/पशु	22.5 क्विंटल X37	550	457875 or say 458000
बी कुल आवर्ती लागत			**458000**
कुल परियोजना लागत (ए+बी)=286000+458000=744000			**744000**

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	मात्रा	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत		458000
पशु वृद्धि	45	315000
पशु वृद्धि का विक्रय मूल्य	1	7000
आय सृजन (45x7000)		315000
खाद की बिक्री	90क्विंटल	9000
शुद्ध लाभ (315000+286000+9000-458000)		152000+बकरियों के वजन एवं मूल्य में वृद्धि (286000)= 438000
शुद्ध लाभ का वितरण		• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	286000	214500	71500
कुल आवर्ती लागत	458000	0	458000
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	90,000	90,000	0
कुल	**834000**	**304500**	**529500**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा शेष 25% स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समुह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

लागत लाभ विश्लेषण:
= आय+वर्तमान मूल्य/ आवर्ती लागत+ पूंजी लागत

=324000+572000/458000+286000

896000/744000

= 1.20 जो काफी टिकाऊ है।

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य -उत्पादन की लागत
= 286000/ (324000-114500)

=286000/209500

= 1.36

इस प्रक्रिया में पहली बार नए पैदा हुए बच्चे बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा ।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 286000/-

आवर्ती लागत = 458000/-

बकरी पालन के लिए कुल =744000/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	**बकरी पालन**	286000	458000	214500	529500	744000
	कुल	**286000**	**458000**	**214500**	**529500**	**744000**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बकरी पालन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती पुष्पा देवी	सदस्य	सामान्य	61	पुष्पा देवी
2.	" कांता देवी	सदस्य	"	63	कान्ता देवी
3.	" सुनीता देवी	सदस्य	"	31	Sunita Devi
4.	" नरेश कुमारी	सदस्य	"	52	Naresh Kumari
5.	" शकुंतला देवी	सदस्य	"	48	शकुन्तला देवी
6.	" कश्मीरा देवी	सदस्य	"	51	कश्मीरा देवी
7.	" लता देवी	सदस्य	"	41	लता देवी
8.	" मनोरमा देवी	सदस्य	"	35	Manorama Devi
9.	" चम्पा देवी	प्रधान	"	35	Champa Devi
10.	" रीना पम्मार	सचिव	"	39	[illegible]
11.	" उर्मिला देवी	सदस्य	"	64	उर्मिला देवी
12.	" वीना देवी	सदस्य	"	40	वीना देवी
13.					
14.					
15.					

हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

डीएमयू द्वारा अनुशंसित
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sundernagar (H.P.) - 175018

वन वृत्त समन्वय इकाई द्वारा स्वीकृत
Chief Conservator of Forest (T)
Mandi Forest Circle Mandi (H.P.)